



करंट क्राइम

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...



● नई दिल्ली। बुधवार 05 मार्च-2025

● वर्ष: 10 अंक: 75 पेज-08

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य: ₹3

दिल के शिकवे फिर कभी सुना लेना यारा पहले आने दो तारीख

12



अतुल गर्ग (सांसद) -
मेरे प्रिय, स्टाइलिश
संजय कुशवाह जी।
देखो मेरी करनी में
कोई कसर नहीं रही।
बाकी तुम सब जानते ही
हो। वैसे इस सचुएशन
में तुम्हें हम दोनों को
लेकर कोई गाना
समर्पित करना पड़े, तो
क्या सुनाओगे।

1



3

**सुनील शर्मा (कैबिनेट
मंत्री) -** मिस्टर गर्ग, डियर
कुशवाह मेरे बारे में ज्यादा
मत सोचो। मैं दिल में आता
हूँ, दिमाग में नहीं।

2

**संजय कुशवाह
(सुनील शर्मा के
लिए गाना) -**
चाहूँगा मैं तुम्हें
सांझ-सवेरे। फिर
भी कभी अब
नाम को आपके,
आवाज मैं ना
दूँगा... आवाज मैं
ना दूँगा।

**संजय कुशवाह
(अतुल गर्ग के
लिए गाना) -**
एहसान मेरे दिल पर
आपका है अतुल जी।
मेरा दिल आपके
प्यार का मारा है
अतुल जी।

2

12 मार्च के लिए क्यों रख दी त्यागी जी ने ओबीसी की डिमांड

संजय त्यागी (क्रांतिवीर) : पूर्व
अध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी जी
अगर 12 मार्च को ओबीसी पर
ध्यान नहीं दिया तो मैं होली
नहीं खेलूंगा। मुझे कम से कम
एक ओबीसी चाहिए। ओबीसी
नहीं तो होली नहीं।

**सत्यपाल प्रधान (जिले वाले
अध्यक्ष) :** अरे राजू पांचाल
जी। ये भगवा कमांडर के
प्यारे संजय त्यागी जी को
क्या हो गया है। ये त्यागी
बिरादरी के होते हुए 'ओबीसी'
की डिमांड क्यों रख रहे हैं।
क्या ये हम ओबीसी भाइयों से
इतना प्यार करते हैं।

2



**राजू पांचाल (वीआईपी भाजपा)
:** सत्यपाल भाई साहब, संजय
त्यागी जी का प्यार केवल अपने
भगवा कमांडर के लिए फूटता
है। उनकी ओबीसी का मतलब
कुछ और है। वो प्रोग्राम में 'वन
बाल्टी कलर' (One Balti
Color) की जिद पर अड़े हैं।
कह रहे हैं कम से कम एक
बाल्टी रंग उन्हें होली खेलने के
लिए मिलना चाहिए।

3

बुरा ना मानो, 12 मार्च को
करंट क्राइम वालों की होली है

कॉन्सेप्ट : दीपक भाटी
कला पक्ष : नरेश कुमार शर्मा

जारी है.....



बोर्ड बैठक से पहले निगम में आज होगी पार्षदों की हाईवोल्टेज बैठक

पार्षद ग्रुप पर चल गया मैसेज, कोई नहीं रहेगा खामोश और सब को देनी है अपनी राय



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम के सदन में भाजपा पूरी तरह से बहुमत में है। 100 पार्षदों में से 75 पार्षद भाजपा के हैं और निगम की मुखिया यानी मेयर भी भाजपा की हैं। लेकिन लगतार कई बैठकों के स्वरूप को देखकर ये

कहा जा सकता है कि निगम के सदन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्षद कार्यकारिणी की बैठक में मोर्चा खोलते हैं। वो गाइडलाइन से इतर जाकर पचा भर देते हैं। कोई पार्षद पचा भरकर अहश्य हो जाता है। एक बार फिर निगम बोर्ड बैठक से पहले पार्षदों ने मोर्चा

खोला है। पार्षदों के ग्रुप पर पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक मैसेज चला और ये तय हो गया कि बोर्ड बैठक से पहले नगर निगम के सभागार में पार्षदों की बैठक होगी। बताते हैं कि ये बैठक पांच मांगों को लेकर है और पार्षदों के समूह में ये संदेश दिया गया कि कोई भी पार्षद खामोश नहीं रहेगा। वो अपनी राय देगा। आज 11 बजे ये बैठक निगम सभागार में होगी। सूत्र बताते हैं कि 60 से 70 पार्षद इस बैठक में आने की सहमति दे चुके हैं।

भारत की फाइनल में एंटी, रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराया



मुंबई। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की दमदार पारी की बदौलत भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह भारतीय टीम की मौजूदा टूर्नामेंट में चौथी जीत है। इससे पहले रोहित शर्मा की सेना ने बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को हराया। अब भारतीय टीम का सामना फाइनल में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम से होगा।

विस्तृत खबर, पृष्ठ 5

किसान नेता दलजिंदर गिरफ्तार, कुलवंत सिंह नजरबंद... आज पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे किसान नेता

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में किसानों की तरफ से पांच मार्च को धरना देने के एलान के बाद माहौल गरमा गया है। जहाँ एक तरफ किसानों ने हर हाल में मोर्चा लगाने की बात कही है वहीं मुख्यमंत्री भगवंत ने बड़ा बयान दिया है। मान ने कहा कि पंजाब बंद नहीं होने देंगे। किसानों को हिरासत में लेंगे। पंजाब का पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है। मान ने कहा कि किसान कहते बैठक भी करनी है और हम पक्का मोर्चा भी लगाएंगे, यह बर्दाश्त नहीं है।

मान ने कहा-रोज रेल रोको, सड़क रोको का रवैया ठीक नहीं

मान ने कहा कि रोजाना रेल रोके, सड़क रोके का रवैया सही नहीं है। किसानों की सभी मांगें केंद्र से संबंधित हैं। सीएम बोले कि किसानों ने कहा



कि अगर हम मोर्चे का एलान न करते तो सरकार ने उन्हें मीटिंग का समय नहीं देती, जबकि पहले भी वह किसानों के साथ बैठक करते रहे हैं। किसान यूनियन के नेताओं से ज्यादा खेतों में जाता रहा हूँ। किसानों से जुड़ा हूँ। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और पंजाब सरकार के बीच सोमवार

को हुई बेनतीजा बैठक के बाद किसानों ने एलान किया था कि ये पांच मार्च को चंडीगढ़ में धरना देंगे। इसके बाद मंगलवार सुबह पंजाब में कई किसान नेताओं के घरों में पुलिस ने दबिश दी। पुलिस ने मालवा के कई इलाकों में किसान नेताओं की गिरफ्तारी के लिए दबिश लेकिन नाकाम रही। सूत्रों के अनुसार, किसानों को पुलिस

क्या मुरादनगर विधानसभा की तरफ घूम गया है अध्यक्ष वाला गेम क्यों है ये चर्चा कि इधर से ही आ रहा है 'जी' फैक्टर वाले नेम का क्लेम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अध्यक्ष पद को लेकर लगातार कई राउंड चल चुके हैं। लेकिन अध्यक्ष का नाम अभी घोषित नहीं हुआ है। सूत्र बताते हैं कि नाम आज घोषित हो सकता है और कल भी इसके प्रबल चांस हैं और अगर ये घोषणा अब नहीं हुई तो सीन होली के बाद का हो जाएगा। भगवा गढ़ के महानगर अध्यक्ष की घोषणा को लेकर सूत्र बताते हैं कि नाटकीय मोड़ आया है। महानगर अध्यक्ष वाले गेम में जिस



'जी' को कमजोर पता माना जा रहा था वो 'जी' तुरप का इक्का बनने जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि 'जी' वाले फैक्टर के तीन 'जी' मुरादनगर

विधानसभा में आते हैं। इन तीनों 'जी' में से एक 'जी' की प्रबल संभावना है। सूत्र बताते हैं कि तीनों 'जी' में एक 'जी' की ग्रेविटी दो दिन पहले ही मजबूत हुई है। ये नाम अचानक से सुर्खियों में आया है और नाम पर मुहर लगाने वाले चार प्रमुख स्तंभ भी इसकी चर्चा कर रहे हैं। वो बता रहे हैं कि ये वाला 'जी' गेम में वापस लौटा है। अब चर्चा है तो यहाँ देखना होगा कि पार्टी किसका 'जी' रखती है। सूत्र बताते हैं कि जिन 'जी' के

नाम को लेकर चर्चा चल रही है ये 'जी' एक विधायक के 'जी' में बिल्कुल भी स्थान नहीं रखते हैं। वहीं माना ये भी जा रहा है कि इन वाले 'जी' के बनने के बाद एक जनप्रतिनिधि वाले 'जी' भी हैं और उनके 'जी' को भी संतुष्टी मिलेगी। कहने वाले यही कह रहे हैं कि ये भाजपा है और यहाँ नेम क्लेम कुछ भी हो, लेकिन गेम कभी भी घूम सकता है। नदिया पार के 'जी' भी इस गेम में वापसी कर सकते हैं।

बीते सप्ताह सड़क हादसों की आई बाढ़ और हुए कई खुलासे



गाजियाबाद, करंट क्राइम : फरवरी का अंतिम सप्ताह और मार्च के शुरूआती दिन सड़क हादसों के नाम रहे हैं। बीते लगभग 7 दिनों के दौरान पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद में 6 लोगों ने जान गंवाई है। तो 14 से अधिक लोग अलग-अलग दुर्घटनाओं में घायल हुए हैं। वहीं मोदीनगर में कार से डीजे के विवाद में दुर्घटना हुई। इसमें भी कई लोग जखमी हुए थे, तो वहीं भोजपुर थाने के दो दरोगाओं पर बीते सप्ताह कोर्ट के आदेश पर गंभीर धारों में मुकदमा लिखा गया है। वहीं शेयर ट्रेडिंग के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले साइबर अपराधियों पर पुलिस लगाम लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, पर साइबर अपराधी पुलिस से तेज रफ्तार पकड़े हुए हैं। वहीं कवि नगर पुलिस ने एक गैंगरेप का झूठा मुकदमा लिखवाने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि

महिला एक व्यक्ति के साथ लिबिडन में रहती थी और उसने फ्लैट पर कब्जा करने की नीयत से उसने गलत मुकदमा लिखवाया था। जिसका पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम ने हत्या के मामले में फरार एक लाख के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। वह पेशी के दौरान फरार हुआ था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है, इसके साथ ही शालीमार गार्डन पुलिस ने इसी सप्ताह सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए इंदिरापुरम और कौशांबी पुलिस ने भी इसी प्रकार के रैकेट का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए एक सप्ताह पुलिस के लिए हार्डकोर क्राइम वाला तो नहीं रहा लेकिन सड़क हादसों और कई अन्य खुलासों ने थोड़ी सी टेंशन बढ़ाई है।



महिला एक व्यक्ति के साथ लिबिडन में रहती थी और उसने फ्लैट पर कब्जा करने की नीयत से उसने गलत मुकदमा लिखवाया था। जिसका पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम ने हत्या के मामले में फरार एक लाख के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। वह पेशी के दौरान फरार हुआ था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है, इसके साथ ही शालीमार गार्डन पुलिस ने इसी सप्ताह सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए इंदिरापुरम और कौशांबी पुलिस ने भी इसी प्रकार के रैकेट का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए एक सप्ताह पुलिस के लिए हार्डकोर क्राइम वाला तो नहीं रहा लेकिन सड़क हादसों और कई अन्य खुलासों ने थोड़ी सी टेंशन बढ़ाई है।

गाजियाबाद में क्यों उठ रहा है गोवा वाले दूर को लेकर इतना तूल

विपक्ष तो है खामोश मगर फूल वालों के दिल में उठ रहे हैं शूल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद से गोवा के लिये विमान ने उड़ान भरी। ये पांच साल पहले बने एयरपोर्ट की पहली उपलब्धि थी और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने इसे एक तरह से पूरी भाजपा के साथ सैलिब्रेट किया। गोवा दूर के लिये एक संदेश देते हुए इस फ्लाइट में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग, लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर, मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी, शहर विधायक संजीव शर्मा सवार हुए।



इसी फ्लाइट में कार्यकर्ता टोली में मंडल अध्यक्ष महिम गुप्ता, व्यापार प्रकोष्ठ के अनुज भित्तल, महामंत्री पप्पु पहलवान सवार हुए। एक संदेश देने के लिये समरकूल चैयरमैन उद्योगपति संजीव गुप्ता इसी फ्लाइट में गए। पहली फ्लाइट से ही एक संदेश देना था कि ये उड़ान कामयाब रही है। से शुरूआत सफल रहेगी इसलिए यात्रियों की संख्या भी ठीक रहे। संदेश सकारात्मक था, लेकिन इस दूर को लेकर कुछ प्रतिक्रियाएं सही नहीं रहीं। कमी तलाशने वाले कमी तलाश रहे थे। दूर पर सभी आनंद और उत्साह

के साथ थे। सोशल मीडिया का जमाना है सभी अपनी-अपनी वीडियो बना रहे थे, लाइव चला रहे थे। सबसे बड़ी बात ये थी कि गोवा वाले इस दूर के प्रायोजक और आयोजक दोनों ही सांसद अतुल गर्ग नहीं थे। दूर पर जो गुप गया उसमें पिलखुवा से भी भाजपाई गए और गाजियाबाद से भी भाजपाई गए। सभी उत्साह के साथ एयरपोर्ट पहुंचे और गाजियाबाद से लेकर गोवा तक पल-पल की अपडेट अपने वीडियो से दी, फोटो से दी। लंच किया तो बताया, योगा किया तो बताया, समुंद्र में नहाये तो फोटो आए

और स्वीमिंग पूल में बैठे तो फोटो आए, लेकिन बताया जाता है कि ये फोटो आते रहे और यहां वालों के दिलों को सताते रहे। दूर से दूर रहे भाजपाईयों ने कहा कि ऐसे फोटो नहीं आने चाहिए थे। यहां तक की पूर्व विधायक रूप चौधरी ने तो गोवा वाले दूर पर लगातार पोस्ट डाली और गोवा वाले दूर में गाजियाबाद वाले भाजपाईयों ने इस दूर में पूरा आनंद लिया। वो इस बात से बेखबर थे कि भाजपा वाले उनके विरोधी ही फोटो की ही एक लाइब्रेरी तैयार कर लेते हैं। एक विरोधी खेमा



इस दूर को तूल देने में लगा है। वो ये संदेश दे रहे हैं कि दूर पर जाने वालों को ध्यान रखना चाहिए था और इसके लिये वो लाइव और वीडियो को आधार बना रहे हैं। वहीं दूर वाले और यहां वाले दोनों से ही दूर एक तीसरी भाजपा की लांबी इस पर अपना नजरिया रख रही है। इस लांबी का कहना है कि जो कुछ हुआ वो एक सामान्य बात है। कुछ ऐसा नहीं हुआ

ध्यान रखा, विधानसभा सत्र का ध्यान रखा, सत्र के अवकाश का ध्यान रखा और एक भी दिन ऐसा नहीं हुआ कि वो सत्र छोड़कर गोवा में हों। वो गोवा दूर छोड़कर फ्लाइट पकड़कर लखनऊ आए और सत्र में भाग लिया। लिहाजा ऐसे में अब माहौल बन रहा है और जो गोवा में थे वो भी वापस आ गये हैं। बताते हैं कि भाजपा पार्षद सतेंद्र चौधरी के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा के एक बड़े नेता और एक गुर्जर नेता का आमना-सामना हो गया। यहां वैश्य समाज के बड़े नेता ने कहा कि आप जो कर रहे हैं अच्छा कर रहे है, लेकिन यह भी रिमाइंड करा दिया कि आप जिनके खास हो उनके लिये भी कुछ कर रहे हो। सुना है कि चलते-चलते दोनों के बीच हॉट-टॉक भी हो गई। अब सूत्र बताते हैं कि अंदरखाने गोवा दूर को लेकर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। गोवा की लहरे गाजियाबाद की भगवा सियासत में सुनामी लाने का प्रयास कर रही है और गोवा दूर में जाने वालों से लेकर कमी तलाशने वालों तक अपना-अपना काम कर रहे हैं।

गाजियाबाद के एक विभाग में सिफारिश से बिगड़ जाता है काम

बड़े अधिकारी ने माइक पर बोला था- मेरी सिफारिश पर हो गया नुकसान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैसे तो सरकार के साथ ही इस बात की तकरार है कि अधिकारी नहीं सुनते हैं, लेकिन गाजियाबाद का एक सरकारी विभाग ऐसा है जहां अधिकारी की भी नहीं सुनते हैं। यहां सिफारिश कराते ही आपका काम बिगड़ जाएगा और अगर आप लेन-देन के सिस्टम से आ रहे है तो काम बन जाएगा। ये विभाग ऐसा है कि यहां सिफारिश आपको नुकसान पहुंचा सकती है। सूत्र बताते हैं कि बीते दिनों एक मौके पर विभाग में आयोजित कार्यक्रम में इस विभाग के बड़े अधिकारी ने माइक पर ये बोला था कि मैं किसी और की क्या हूँ मैंने किसी की सिफारिश की थी। इसी महकमें में सिफारिश की थी और मेरी सिफारिश के बाद आप यकीन करें कि उसका काम नहीं हुआ बल्कि उलट उसका नुकसान हो गया। मुझे अगर पता होता तो मैं सिफारिश ही नहीं करता। ये सिफारिश किसी सामान्य व्यक्ति की नहीं थी, ये उसी महकमे के बड़े अधिकारी की सिफारिश थी। सूत्र बताते हैं कि ये ऐसा विभाग है जहां विधायक और सांसदों की सिफारिश फेल है। यहां अगर आपने किसी भी बड़े स्तर से बड़े अधिकारी को सिफारिश का फोन भी करा लिया तो आपके साथ खेल हो जाएगा। आपका पूरा सिस्टम फेल हो जाएगा। अगर सिफारिश हो गई तो फिर फाइल में इतने लीगल अडिगे आएंगे कि आप उन्हें दूर करते-करते थक जाएंगे। शुरू में जो आपसे डिमांड की गई होगी उस डिमांड के रेट चार गुणा बढ़ जाएंगे। ये एक ऐसा विभाग है जहां हर काम के रेट तय हैं। अगर इस विभाग के कर्मचारियों की ही चाहे वो लिपिकीय हों या तकनीकी हों, उनकी संपत्ति की जांच हो जाए तो एक-एक कर्मचारी कई-कई करोड़ का मालिक काम नहीं हुआ बल्कि उलट उसका नुकसान हो गया। मुझे अगर पता होता तो मैं सिफारिश ही नहीं करता। ये सिफारिश किसी सामान्य व्यक्ति की नहीं थी, ये उसी महकमे के बड़े अधिकारियों की ही नहीं सुन रहा तो फिर किसकी सुनेगा।



क्यों किया भाजपा के विधायक ने फोन ना उठाने वाली खबर को शेयर

संदेश दिया स्पष्ट, अधिकारी नहीं कर रहे हैं जनप्रतिनिधियों की केयर
गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विधायक और सांसद जनप्रतिनिधि होते हैं और उनका प्रोटीकोल ये होता है कि उनके नाम के आगे माननीय लगेंगा। वो अधिकारियों से मिलते हैं तो उनका मिलने का समय अलग से तय होता है। सरकार कोई भी हो ये निर्देश होते हैं कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन नउठाएंगे। अगर फोन नहीं उठा सके तो बाद में कॉल बैक करेंगे। लेकिन विधायक और सांसद के फोन पर रसोयास देगे। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, अभी तो भाजपा के एक विधायक ने एक अखबार में छपी खबर को शेयर किया। ये खबर थी कि अधिकारी विधायकों के फोन नहीं उठाते हैं। भाजपा के विधायक ने इसे शेयर किया तो ये स्पष्ट हुआ कि सरकार के विधायक को इसी बात का कष्ट है और वो इस बात का संदेश दे रहे हैं कि विधायकों को अधिकारी हल्के में ले रहे हैं। सोशल मीडिया के अपने संदेश हैं। यहां किसी पोस्ट को शेयर करना, किसी खबर को शेयर करना ये माना जाता है कि आप उसके समर्थन में हैं। आप शेयर के साथ अपनी सहमति दे रहे हैं। अगर सरकार विधायक ने किसी खबर को शेयर किया है तो ये एक संदेश है। खासतौर से जब खबर अधिकारियों के खिलाफ है। विधायक ने इस खबर को शेयर किया और अपनी सहमति दी। सरकार के विधायक ने बिना कुछ कहे ये संदेश दे दिया कि वास्तव में अधिकारी विधायकों के फोन नहीं उठा रहे हैं। अगर विधायक इस संदेश को दे रहे हैं तो स्थिति को समझा जा सकता है। जब विधायक ने इस खबर को शेयर किया तो इस पर कार्यकर्ताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। प्रतिक्रिया ये थी कि कार्यकर्ता पूरी तरह से अपने विधायक के साथ नजर आए। वो ये संदेश दे रहे थे कि अधिकारी अगर विधायक का फोन नहीं उठा रहे हैं तो कार्यकर्ता क्या उम्मीद लगा सकते हैं।



मोहित बेनीवाल ने की मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर करने की मांग

मोहित बेनीवाल ने विधान परिषद के बजट सत्र में उठाई मांग



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने सदन में कहा कि हमारी परम्पराओं के प्रति सम्मान हेतु हमारी भूमि, नगरों के नाम भी सभ्यता, परंपरा के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से एक ऐतिहासिक मांग करना चाहता हूँ। महाभारत काल से जुड़े जनपद मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर श्लक्ष्मीनगर करने की मांग करता हूँ। यह केवल नाम बदलने का प्रश्न नहीं है बल्कि हमारे सांस्कृतिक गौरव, सभ्यता के पुनर्जागरण



व ऐतिहासिक सत्य की पुनर्स्थापना का संकल्प है। मुजफ्फरनगर कोई साधारण भूमि नहीं है, महाभारत काल से जुड़े हुए इसी जनपद के रश्कुरतालर में राजा परीक्षित ने ऋषि शुक्रदेव से भागवत पुराण का ज्ञान प्राप्त किया था। क्या यह उचित है कि यह पवित्र स्थान, एक मुगल शासक मुजफ्फर अली के नाम से जाना जाए। यह क्षेत्र कृषि, व्यापार व आर्थिक सम्पन्नता के साथ गुड़ की मिठास का भी केंद्र है, श्लक्ष्मीनगर नाम क्षेत्र की आर्थिक प्रगति का प्रतीक बनेगा। यह नाम गंगा के निर्मल प्रवाह

जैसा परिवर्तनकारी होगा जो हमारी सभ्यता व सांस्कृतिक गौरव को पुनः स्थापित करते हुए, इस क्षेत्र की पहचान को दिशा देगा। मोहित बेनीवाल के द्वारा मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर रखना की मांग को लेकर जनपदवासियों ने भी उनकी मांग का समर्थन किया है जनपद के लोगों का कहना है कि लंबे समय से मुजफ्फरनगर का नाम लक्ष्मी नगर रखने की मांग की जा रही है ऐतिहासिक और प्राचीन सभ्यता से जुड़ा नाम वास्तव में स्वागत के योग्य है।

दो एडीसीपी के कार्यक्षेत्र बदले सचिद्वानंद को ट्रैफिक, तो पीयूष सिंह को क्राइम कंट्रोल का मिला जिम्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दिनों एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव के बाद एक बार फिर एडीसीपी स्तर के अधिकारियों के फ्लेस और फेस बदले गए हैं। एडीसीपी ट्रैफिक पीयूष सिंह को एडीसीपी क्राइम और महिला अपराध व लाइन बनाया गया है। तो वहीं सचिद्वानंद को क्राइम से हटाकर ट्रैफिक का एडीसीपी बनाया गया है। ट्रैफिक पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नर का सबसे महत्वपूर्ण विषय रहा है। बताया जा रहा है कि इसमें बदलाव और सख्ती से पालन कराने के लिए यह बदलाव किया गया हो। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि सचिद्वानंद लंबे समय से अपर पुलिस उपयुक्त अपराध एवं महिला अपराध का जिम्मा संभाल रहे थे। उनको इसलिए बदला गया है कि वह लंबे समय से तैनात थे। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सूत्र बता रहे हैं कि दोनों ही पोस्टिंग के पीछे की चर्चा कुछ और ही चल रही है।



देखना होगा दोनों कितने रहते हैं अपने कार्य में सफल
करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में पीयूष कुमार सिंह अब ट्रैफिक से हटाकर महिला अपराध और क्राइम कंट्रोल का जिम्मा दिया गया है। तो वहीं सचिद्वानंद को ट्रैफिक के महत्वपूर्ण विषय पर लगाया गया है। ट्रैफिक का विषय गाजियाबाद में वैसे भी महत्वपूर्ण रहता है। इसके साथ ही समय-समय पर वीआईपी मूवमेंट और अन्य आयोजनों को लेकर जाम वाली स्थिति बनती है, उसे दूर करने के लिए सचिद्वानंद को यह जिम्मेदारी दी गई है। तो वहीं लंबे समय से क्राइम की कमान संभालने वाले सचिद्वानंद को ट्रैफिक कंट्रोल पर लगाया गया है। देखना होगा दोनों अपने-अपने कार्यों को फ्लेस प्रकार से निभाते हैं और क्या परिणाम देते हैं।

शादी समारोह में लहराई पिस्टल, पुलिस ने भेजा जेल शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र का मामला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सोशल मीडिया पर एक वीडियो और फोटो वायरल हुआ। जिसमें शालीमार गार्डन क्षेत्र के अंतर्गत एक शादी समारोह में विश्व हिंदू परिषद वैशाली के पदाधिकारी द्वारा भतीजे को चाचा का रिवाल्वर लगाना भारी पड़ गया। इस मामले में पुलिस की ओर से मुकदमा लिखा गया है। साथ ही आरोपी को हवालात में पुलिस ने हिरासत में रखा। इस मामले में पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए लाइसेंसी हथियार निरस्त करने की रिपोर्ट भी तैयार कर ली है। बताया जा रहा है कि शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र के अंतर्गत एक युवक कैलाश और उनका भाई मनोज की शादी कार्यक्रम में गए थे। इसमें कैलाश ने अपने चाचा रोहतास उदय की लाइसेंसी रिवाल्वर अपनी कमर में लगाकर घूम रहा था। तस्वीरें कैद हुईं तो उसे कैलाश ने सोशल मीडिया पर डाली, इसके बाद फोटो और वीडियो वायरल होने के इस मामले का संज्ञा लेते हुए उनको विक्रम एंक्लेव इलाके से गिरफ्तार किया गया। साथ ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।



जांच के बाद की गई है विधिक कार्रवाई
करंट क्राइम : एसीपी शालीमार गार्डन सोलनी अग्रवाल का कहना है कि पुलिस ने सोशल मीडिया पर मिली फोटो और वीडियो के आधार पर यह कार्रवाई की है। साथ ही जल्द ही लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया भी अधिकारियों को भेजी जाएगी। बता दें की वीडियो कई दिन पुराना बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने खुद ही संज्ञा लेते हुए कार्रवाई की है।

शादी समारोह में रोटी पर थूक लगाने वाला गिरफ्तार, वायरल हुई थी वीडियो

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में देहात जौन के अंतर्गत भोजपुर थानाक्षेत्र के एक शादी समारोह में रोटी पर थूक लगाने का वीडियो वायरल हो रहा था। इस मामले में भोजपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और आरोपी फरमान को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया है कि 23 फरवरी को ग्राम सैतपुर थाना भोजपुर में विनोद कुमार की लड़की की शादी थी। इस समारोह में एक कैटरर्स की तरफ से रोटी बनाने वाला व्यक्ति फरमान सैतपुर का रहने ही वाला आया था, उसका वीडियो वायरल हो रहा था। जिसमें



गाजियाबाद में अब तक आ चुके हैं दर्जनों मामले
करंट क्राइम : थूककांड का गाजियाबाद में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले लोनी, मोदीनगर, मुरादनगर, वेव सिटी, खोड़ा, घंटाघर कोतवाली और नंदग्राम सहित सही थानाक्षेत्र में खाना बनाने के दौरान थूक लगाकर बनाने और परीसेन के मामले आए थे। जिसमें सोशल मीडिया की वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के लिए थानाक्षेत्र में कार्रवाई की गई है।

वह थूक लगाकर रोटी सेक रहा था। यह वीडियो जब पुलिस के संज्ञान में आया तो मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अपनों को टगने वाले बंटी और बबली गिरफ्तार

इंदिरापुरम पुलिस ने पहुंचाया जेल, ठगे थे 11 लाख रुपये



आरोपी बताता था खुद को दादरी का थाना प्रभारी और करता था मैसेज
गाजियाबाद, करंट क्राइम : साइबर ठगी करने वाले बंटी और बबली को इंदिरापुरम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंदिरापुरम पुलिस ने एक पति-पत्नी को जानकारों से ठगी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी दंपति ने अपने ही जानकार से 11 लाख रुपए की ठगी की पीड़ित सीताराम पांडे की शिकायत पर इंदिरापुरम पुलिस ने यह कार्रवाई की है। वहीं आरोपी प्रीति पीड़ित को पहले से जानती थी, सीताराम पांडे ने ही प्रीति की शादी अनिल कुमार से कराई थी। प्रीति ने कई बार अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे मांगे थे। उसने कभी पति की नौकरी छूटने का बहाना बनाया, तो कभी जीजा की मौत का, इसके बाद दंपति ने एक नई चाल चली अनिल ने एक नया मोबाइल नंबर लिया और उसपर पुलिस की डीपी लगा ली। खुद को दादरी का थाना प्रभारी बताते हुए सीताराम पांडे को मैसेज किए। प्रीति ने पीड़ित को बताया कि उसकी बहन के पति की मौत के मामले की जांच कर रहा है और सीताराम थाना प्रभारी है। फिर डर के मोरे दंपति को अलग-अलग रुपए दिए। इस मामले की शिकायत जब इंदिरापुरम पुलिस को मिली तो एसीपी ने इस मामले की जांच करवा कर आरोपी बंटी-बबली को गिरफ्तार करवाया।

कमी एक्सीडेंट, तो कमी मौत, तो कमी नौकरी छूटने की बात
करंट क्राइम : एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि गिरफ्तार अनिल और प्रीति दोनों ही शांति दिमाग हैं। दोनों ने पति पत्नी बहुरंग करते थे, अपनी बहन की मृत्यु की झूठी खबर देकर फर्जी पुलिस अधिकारी से बात कर ब्लैकमेल का भय दिखाकर पैसे मांगे। फिर कभी पैसे देने के बहाने पर मृत्यु का बहाना करते तो कभी नौकरी छूट जाने का और कभी किसी अन्य परेशानी का कुल मिलाकर पुलिस की माने तो पति-पत्नी इससे पहले भी कई लोगों के साथ ठगी कर चुके हैं लेकिन पुलिस को शिकायत नहीं मिली थी, जिस वजह से कार्रवाई नहीं हो पाई।

